अध्याय - 12
जैसलमेर की राजकुमारी

दिए गए शब्दों के अर्थ लिखो-

जयनिनाद- विजय प्राप्ति की ध्वनि ।रसद- खाने पीने का सामान । महरोबदार -गोल दरवाजे वाला फाटक। हतबुद्धि -क्या करें क्या ना करें कुछ समझ में ना आना ।धौसा -नगाड़ा। कोर्निस- झुक कर सलाम करना। ताजिंदगी -जिंदगी भर।

सही उत्तर पर सही का निशान लगाओ-

1.शत्रु सेना का सेनापति कौन था ?

(क) गुलाम मोहम्मद (ख) मलिक काफूर [√] (घ) मलिक मोहम्मद

2.जैसलमेर की राजकुमारी रत्नवती किसकी कन्या थी ?

(क) जयसिंह की (ख) मानसिंह की (ग) महाराव रत्नसिंह की[√]

3.जैसलमेर की राजकुमारी के कहानीकार कौन हैं ?

(क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल(ख) प्रेमचंद(ग) आचार्य चतुरसेन[√].

4.""पिताजी दुर्ग की चिन्ता न कीजिए। जब तक उसका एक भी पत्थर-पत्थर से मिली है, उसकी रक्षा मैं करूंगी।" इस कथन से राजकुमारी का कौन सा भाव व्यक्त हुआ है ?

(क) घमण्ड (ख)आत्मविश्वास[√](ग) वीरता

5..राजकुमारी के सामने सबसे प्रमुख समस्या क्या थी?

(क) किले में पानी की कमी(ख) दुर्ग में खाद्य-सामग्री की कमी [√] (ग) सैनिकों की कमी

6.‘वह एक गठरी को पीठ से उतार कर दिवार पर चढ़ने का उपाय सोच रही थी।’ इस गठरी में क्या बँधा था ?

(क) बहुत सारा सोना(ख) गोला-बारूद [√] (ग) खिलौने

7.महाराज, राजकुमारी तो पूजने लायक हैं। वे मनुष्य नहीं फरिश्ता हैं।’ यह कथन किसका है?

(क) वृद्ध राजपूत सैनिक का(ख) द्वारपाल का(ग) सेनापति काफूर का[√]

लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

1.राजकुमारी अपने पिता रत्नसिंह को दुर्ग से विदा करते समय किस प्रकार की वेश-भूषा में थी?

उत्तर अपने पिता को दुर्ग से विदा करते समय राजकुमारी रत्नवती मर्दानी पोशाक धारण करके एक बलिष्ठ अरबी घोड़े पर सवार थीं। उसकी कमरबन्द में पेशकब्ज, पीठ पर तरकश और हाथ में धनुष था।

2..किले का प्रत्येक व्यक्ति राजकुमारी को किसकी तरह पूजता था?

उत्तर किले का प्रत्येक व्यक्ति राजकुमारी को देवी की तरह पूजता था।

3.रत्नसिंह ने राजकुमारी को सावधान करते हुए शत्रु के सम्बन्ध में क्या कहा? .

उत्तर रत्नसिंह ने राजकुमारी से कहा कि सावधान रहना। शत्रु वीर ही नहीं, धूर्त और छलिया भी है।

4.दूर पर्वत की उपत्यका में डूबते सूर्य को देखकर राजकुमारी चिन्तित क्यों हो उठी?

उत्तर राजकुमारी को चार दिन से पिता का सन्देश नहीं मिला था और आज का भी सूर्य अस्त हो रहा था, इसलिए राजकुमारी चिन्तित हो उठी थी ।

5मलिक काफूर ने आँसू भीगी आँखों से राजकुमारी को क्या कहा?

उत्तर मलिक काफूर ने आँखों में आँसू भरकर कहा कि राजकुमारी मुझे यकीन है कि आप बीस किलों की हिफाजत कर सकती हैं।

6.राजकुमारी ने हँसते हुए राव रत्नसिंह को क्या आश्वासन दिया?

उत्तर जैसलमेर के राठौड़ दुर्गाधिपति महाराव रत्नसिंह की कन्या राजकुमारी रत्नवती ने आक्रमण के लिए जाते हुए अपने पिता से हँसते हुए आश्वासन दिया कि पिताजी आप दुर्ग की चिन्ता न कीजिए। जब तक उसका एक भी पत्थर-पत्थर से मिला है, उसकी रक्षा मैं करूंगी। अलाउद्दीन कितनी ही वीरता से हमारे दुर्ग पर आक्रमण क्यों न करे, आप निश्चिन्त होकर शत्रु से युद्ध करने जाइये हमारा दुर्ग पूर्णतया सुरक्षित रहेगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखो-

1.युद्ध-भूमि के लिए प्रस्थान करने से पूर्व रत्नसिंह ने राजकुमारी से क्या कहा?

उत्तर युद्ध-क्षेत्र में प्रस्थान करने से पूर्व राजकुमारी के कन्धे पर हाथ रख कर रत्नसिंह ने कहा कि बेटी, मुझे तुमसे यही आशा है कि तुम अपने कथनानुसार दुर्ग की पूर्णरूपेण रक्षा करोगी। मैंने तुझे पुत्री नहीं, पुत्र की भाँति पाला और शिक्षा दी है। मैं दुर्ग तेरे हाथों में सौंपकर पूर्णतः आश्वस्त और निश्चिन्त हूँ। फिर भी अब तुम्हें बहुत

अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि शत्रु केवल वीर ही नहीं, वह धूर्त और छलिया भी है।

2.उसने धीरे-धीरे राजकुमारी के कान में कुछ और भी कहा।' वृद्ध योद्धा ने राजकुमारी को और क्या बताया था?

उत्तर राजकुमारी को पहरेदार वृद्ध राजपूत योद्धा ने बताया कि शत्रु ने उसे अर्द्धरात्रि के समय दुर्ग का द्वार खोलने के लिए घूस में बहुत सारा सोना दिया है। उसके षड्यन्त्र और चालाकी का प्रत्युत्तर हमें भी उसी की शैली में देना चाहिए। यह कहते हुए वृद्ध सैनिक ने सोने की पोटली निकाल कर राजकुमारी को समर्पित कर दी।

3..'काफूर ने मन्द स्वर में कहा यहाँ तक तो ठीक हुआ।' सेनापति काफूर के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर सेना का सेनापति काफूर अपनी धूर्ततापूर्ण योजना के अनुसार जैसलमेर के द्वार रक्षक को घूस देकर अर्द्धरात्रि के समय अपने सौ विश्वस्त सैनिकों के साथ किले का द्वार खुलवाकर उसमें प्रवेश कर जाता है। वह सोचता है कि मेरी तरकीब कामयाब हो गई । इसलिए वह मन्द स्वर में वृद्ध सैनिक से कहता है कि यहाँ तक तो ठीक हो गया। अब आगे का मार्ग बताकर हमें महलों तक पहुँचाओ।

4.महाराव रत्नसिंह ने बन्दी शत्रु सेनानायक को किस प्रकार विदा किया?

उत्तर महाराव ने अपनी संस्कृति और उच्च आदर्शों के अनुसार अपने राज्य के विजयोत्सव में बन्दी सेनापति काफूर को ससम्मान अपनी बगल में बिठाया। अपनी अनुपस्थिति में उन्हें जो असुविधाएँ हुई होंगी उनके लिए क्षमा याचना की। तत्पश्चात् महाराव ने मलिक काफूर को विदा

5.'जैसलमेर की राजकुमारी' कहानी के शीर्षक के औचित्य को स्पष्ट कीजिए

उत्तर जैसलमेर कीराजकुमारी रत्नवती कहानी की नायिका होने के साथ-साथ श्रेष्ठ गुणों से सम्पन्न नारी पात्र है। जैसलमेर के किले की रक्षा में वह पूरी कुशलता, वीरता इसे हम सार्थक और औचित्य शीर्षक कहेगे ।

6..राजकुमारी रत्नावती की चारित्रिक विशेषताओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

उत्तर जैसलमेर की राजकुमारी' कहानी की नायिका रत्नावती दुर्गाधिपति महाराव रत्नसिंह की पुत्री है। उसके चरित्र की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ है-कुशल प्रबंधक ,मर्यादावादी ,सजग इत्यादी।

इन मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो -

1. दांत खट्टे करना- कड़ी टक्कर देना।

वाक्य में प्रयोग – हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की सेना ने अकबर की सेना के दाँत खट्टे कर दिए।

2. दाँत पीसना- बहुत अधिक गुस्सा होना।

वाक्य में प्रयोग- युद्ध में पराजित होने के बाद मलिकापुर दांत पीसते रह गया

3. छक्के छुड़ाना- पराजित करना ।वाक्यों में प्रयोग- जैसलमेर की राजकुमारी ने अपनी वीरता से शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए।